❖ अमरावती, गुरुवार २ से ८ जनवरी २०२५ ❖ वर्ष १५ ❖ अंक २७ मूल्य १०/- पृष्ठ ८ ❖पोस्टल रजि. नं. ATI/RNP/268/2021-2024 डाक : शुक्रवार - शनिवार

नववर्ष शुभेच्छा 2025

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र जे. दुबे | प्रबंधक : सौ. वीणा एस. दुबे

नववर्ष विशेषांक

E-Mail-vidarbh.swabhiman@gmail.com

बाबूजी के आदर्श

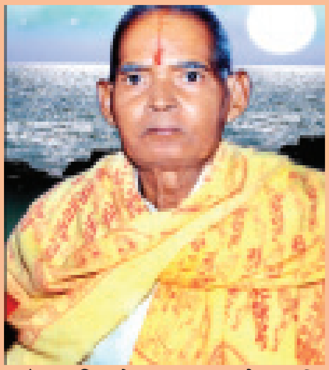

इंसान कितने साल जीता है इसकी बजाए, जब हम परमार्थ के कार्य में स्वयं को झोंक देते हैं तो मरकर भी अमर नाम हो जाता है. लेकिन जो लोग जीवनभर केवल स्वयं अथवा परिवार के लिए जीते हैं ऐसे लोगो का ही मरण होता है. जो लोग दूसरों के लिए जीते है उनका सदैव स्मरण होता है. फैसला हमारा क्योंकि कर्म भी हमारा ही रहता है.

सादगी, विनम्रता तथा विद्वत्ता है जिनके स्वभाव में, नेतृत्व क्षमता के पारस एक ऐसा व्यक्तिमत्व का नाम है प्राचार्य सुधीर महाजन....

मध्यप्रदेश के बुऱ्हानपुर के एक छोटे से गांव बंभाळा में जन्मे और सपना देखा कि हर बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त करे. इसलिए वे सतत इसी के लिए परिश्रम करते हैं. निरंतर शिक्षा के साथ-साथ अपनी सामाजिक प्रतिबध्दता को समझते हुए विभिन्न सामाजिक गतिविधीयों में सदा अग्रसर रहते हैं. वे पोदार इंटरनैशनल स्कूल में बतौर प्राचार्य कार्यरत हैं. उनका शिक्षा के प्रति समर्पण और छात्र कल्याण की भावना जहां सराहनीय हैं, वहीं

अमरावतीवासियों के लिए वे एक आधुनिक युग के गुरुवर्य हैं... धार्मिक प्रवृत्ती वाले महाजन व्यवसाय, प्रोफेशनली अपने जीवन में जहां बुलंदियों को हासिल किया है. वहीं दूसरी ओर विनम्रता, सादगी, विद्वता, सादा जीवन, सरलता, करुणाभाव तथा वात्सल्य उनके व्यक्तित्व को निखारता है.

-प्रज्ञा दरजी, अमरावती

सादगी, विद्वता, शिक्षा समर्पण के त्रिवेणी संगम है प्राचार्य सुधीर महाजन

आधुनिक युग के गुरुवर्य

जीवन में कुछ लोगों का स्थान उसे सुगंधित फूलों जैसा होता है जो हमेशा पूरी तरह से समर्पण भाव से केवल सेवा और अपने कार्य के प्रति पूरे समर्पण से समाज की दिशा और दशा को बदलने के लिए निरंतर प्रयास करता है. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं राष्ट्रीय स्तर के विद्वान और पोदार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य सुधीर महाजन. उनके व्यक्तित्व में जहां सकारात्मक ऊर्जा का भंडार झलकता है वहीं दूसरी ओर विनम्रता के साथ आत्मीयता इस कदर है कि एक बार मुलाकात के बाद संबंधित व्यक्ति उनका होकर रह जाता है. प्राचार्य सुधीर महाजन जहां विनम्र स्वभाव के धनी हैं वहीं आदर्श शिक्षक तथा प्राचार्य के रूप में अभी तक दो दर्जन से अधिक जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए वह कहते हैं कि जीवन प्रभु का दिया उपहार है. अपने लिए जीने का कार्य पशु करते हैं लेकिन सही मायने में इंसान उसे कहते हैं जो स्वयं भी खुश रहे और अन्य को भी खुशियां बांटने का कार्य करें. प्रभु ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका अगर हम सही तरीके से निर्वहन करते हैं तो यह भी किसी पूजा से कम नहीं है. मानवता की सेवा को भगवान की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए प्राचार्य सुधीर महाजन ने कहा कि जीवन में अगर हम किसी को खुशी नहीं दे सकते हैं तो किसी की आंखों में आंसू कम से कम हमारी वजह से ना आए अगर हम इतना भी करने में सफल रहे तो निश्चित तौर पर हमारा जीवन सफल हो जाता है. वे कहते हैं कि जीवन में वे लोग अमर हो जाते हैं जो जीवन भर दूसरों के लिए जीते हैं. किसी की धन से मदद करना ही मानवता नहीं होती है समाज में हमसे कमजोर किसी व्यक्ति की अगर हम थोड़ी भी मदद करें तो वह व्यक्ति हमें जीवन भर याद रखता है.

विदर्भ स्वाभिमान Cover Story सुभाष दुबे, संपादक

(शेष २ पर)

संपादकीय ......

सभी की उम्मीद पर शत-प्रतिशत खरा उतरे साल २०२५

जिस तरह चलती का नाम गाड़ी होता है इस तरह सदैव स्वयं को सक्रिय रखते हुए जीवन में नया करने का नाम ही जीवन होता है. साल आते हैं जाते हैं लेकिन हमारे कर्मों के चलते ही यह हमारे लिए और समाज तथा राष्ट्र के लिए भी यादगार बन जाते हैं. वर्ष २०२४ बीत गया है और नया साल २०२५ शुरू हो गया है. विदर्भ स्वाभिमान सभी देशवासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कामना करता है कि यह नया साल सभी की सभी मनोकामनाएं पूरी करने वाला हो और सभी स्वस्थ रहें मस्त रहें और सभी का जीवन खुशियों से भरा रहे.

वर्ष २०२४ खट्टी-मीठी यादों के साथ बीत गया है और १ जनवरी २०२५ का सुबह का सूर्योदय नई आशा-आकांक्षाओं के साथ हमारे जीवन में प्रवेश कर रहा है. जीवन में सभी का हर पल मंगलमय हो और सभी का जीवन सुख,समृद्धि और स्वास्थ्य से आबाद रहे, हम यही कामना करते हैं. साल का चक्र है, यह अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक नया साल है, जबकि भारतीय संस्कृति में नया साल मराठी नववर्ष गुड़ी पाड़वा से आरंभ होता है. लेकिन चूंकि भारत ने सदैव विश्व बंधुत्व और सभी को साथ रखने और साथ चलने की नीति पर ही काम किया है, ऐसे में खुशियां मनाने के लिए किसी बहाने की जरूरत नहीं होती है,ऐसे में यह समझते हुए कि यह नया साल है, हम भी उसमें सहभागी होकर खुशी मनाएं और अन्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें.

नए साल में हमें एक बुराई छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए. साथ ही हमें जन्म-देने वाले माता-पिता, हमारी सुरक्षा करने वाले देश के जवानों के साथ ही भारत मां का धन्यवाद करना चाहिए, जिन्होंने अपने आंचल में हम सभी को सुख,समृद्धि तथा सुरक्षा का भाव रखा. हम सभी के लिए राष्ट्र धर्म पहले स्थान पर होना चाहिए, आज अगर देश सुरक्षित है तो ही हम सभी सुरक्षित हैं. जाति,धर्म,पंथ यह राष्ट्र से बड़ा कभी नहीं हो सकता है, इसका सभी को चिंतन-मनन करना चाहिए. युवाओं में नए साल को लेकर अपार जोश है लेकिन अक्सर देखने में आता है कि आज की युवा पीढ़ी समझदार है, समय के साथ बदलने की मानसिकता भी रखती है लेकिन कई बार जोश के दौरान होश खोने की कमी सभी के लिए दुखदायी होती है. युवाओं द्वारा जिस तरह से वाहनों का संचालन किया जाता है, हर साल नए साल के जश्न में देशभर में जिस तरह से युवाओं की मौत हो ती है, वह चिंता वाली है.

संकल्प की शक्ति बहुत ज़्यादा होती है और व्यक्ति के संकल्प से ही उसका पूरा जीवन संचालित होता है. इसको ध्यान में रखते हुए हम कामना करें कि सालभर हम स्वयं भी खुश रहेंगे और किसी को भी नाराज नहीं करेंगे, सभी द्वारा लिया गया एक संकल्प देश की तस्वीर बदलने की क्षमता रखता है.नए साल का संकल्प, अपने लिए तय किया गया एक लक्ष्य होता है, जिसे नए साल की शुरुआत में पूरा किया जाता है. युवाओं में ही संकल्प करने और उसे जीवन में पूरा करने की दोहरी ताकत होती है. जब युवा वर्ग इसे सकारात्मक तरीके से लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करें तो निश्चित तौर पर एक साल नहीं बल्कि उनके जीवन का हर पल सदैव कामयाबियों से ओतप्रोत रहेगा.

संकल्प शक्ति को मज़बूत बनाने के लिए, स्पष्ट और सटीक लक्ष्य तय करना चाहिए. जब तक नकारात्मक सोच को दूर नहीं करते हैं तब तक सकारात्मक विचार आ नहीं सकते हैं, ऐसे में सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देने और इसके मुताबिक ही कार्य करने का संकल्प लें.हमारे जीवन का हर पल नई चुनौतियों वाला रहता है. लेकिन जब हम अच्छे संकल्प, नेक इरादे और सेवाभाव लेकर कोई भी काम करते हैं तो इसमें सफलता शतप्रतिशत मिलती है. सफलता का सबसे बड़ा मापदंड ही काम के प्रति हमारा समर्पण होता है. इसलिए वर्ष २०२५ का स्वयं लक्ष्य तय करें और इस दिशा में सफलता के लिए जान डालकर मेहनत करें, हमारा भी जीवन संवारे और परिवार, समाज तथा राष्ट्र के हित में भी अपना योगदान दें. नए साल पर इसी कामना के साथ सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

करीना का सत्कार - कठोरा नाका स्थित अंबा टावर में गैस सिलेंडर भड़कने के बाद अपनी जान पर खेल कर ७० परिवारों को बचाने वाली करीना थापा का सत्कार डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल की ओर से किया गया. बच्ची की आर्थिक मदद के साथ उसे आने-जाने के लिए दो पहिया गाड़ी देने का फैसला समाजसेवी सुदर्शन गांग ने इस समय लिया. तपोवन में एक जनवरी २०२५ को यह उसे प्रदान किया गया. मौके पर करीना के माता-पिता, डॉ. गोविंद कासट, मुख्याध्यापक दिलीप सदार, संपादक सुभाष दुबे तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

पेज १ से – आधुनिक युग के गुरुवर्य

अपने लिए जिए तो क्या जिए

प्राचार्य सुधीर महाजन कहते हैं कि जो लोग केवल अपने लिए जीते हैं वह कभी पूरी तरह से खुश नहीं हो सकते हैं. लेकिन जो लोग अन्य लोगों को अपनी खुशियों में शामिल करने की मानसिकता रखते हैं ऐसे लोग जीवन में कभी अकेले नहीं पड़ते हैं. जीवन में प्रेम, अपनापन, किसी को दिया गया सम्मान यह हमेशा बढ़कर मिलता है. जो लोग जीवन में अहंकारी होते हैं ऐसे लोगों से हर व्यक्ति बचने का प्रयास करता है. लेकिन जो व्यक्ति हर व्यक्ति से घुल मिल जाता है और सभी को सम्मान देता है ऐसा व्यक्ति गरीब रहने के बाद भी सबके दिल में स्थान रखता है. संत गजानन महाराज के परम भक्त प्राचार्य सुधीर महाजन का कहना है कि धर्माचरण से आदर्श संस्कार और आदर्श संस्कार से हमारा जीवन निखरता है. आज इंसान की संख्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इंसानियत उतनी ही तेजी से घट रही है. सड़क पर दुर्घटना में घायल होने के बाद उसे व्यक्ति की मदद की बजाय उसकी वीडियो निकालने वाली मानसिकता खत्म होनी चाहिए और इंसान को इंसान की मदद का सदैव भाव रखते हुए अपनी ओर से प्रयास करना चाहिए. प्रभु की यह दुनिया बहुत सुंदर है. इसे और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी सभी इंसानों पर भगवान ने डाली है. प्राचार्य सुधीर महाजन उच्च विद्या विभूषित तथा हर विषय पर गहन ज्ञान रखने वाले व्यक्ति रहने के बावजूद उनकी सादगी और उनकी विनम्रता किसी भी व्यक्ति को प्रभावित करती है. बातचीत के दौरान भी बताते हैं उनका बचपन काफी संघर्षों में बीता लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी. मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के छोटे से गांव में पैदा हुए सुधीर महाजन आज राष्ट्रीय स्तर के वक्त हैं और विभिन्न विषयों पर उनका विचार और व्याख्यान पूरे देश में रखा जाता है. ४ जनवरी को प्राचार्य सुधीर महाजन का जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और लाखों छात्रों का जीवन सवारते हुए उन्हें देश के आदर्श नागरिक के रूप में आकार देने में सफल रहे, संत गजानन महाराज के चरणों में यही कामना, जन्मदिन पर सुधीर महाजन सर को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान यह पत्र मालिक, प्रकाशक, सम्पादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे ने एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,जिला अमरावती (महाराष्ट्र)से मुद्रित कर प्रकाशित किया है. मुद्रक-श्री संदीप बागडे,एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,अमरावती.जिला अमरावती (महाराष्ट्र).प्रकाशन स्थल-साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती. (महाराष्ट्र) मुख्य सम्पादक-सुभाषचंद्र जे.दुबे (पी.आर.बी.कानून के अनुसार सर्वस्वी जवाबदार).मुख्य प्रबंधक- वीणा दुबे,(सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत)आर.एन.आई.रजिस्ट्रेशन नंबर MAHHIN/2010/43881
मोबाइल नं.-09423426199,8855019189/8208407139
E-Mail-vidarbh.swabhiman@gmail.com | www.vidarbhswabhiman

प्रभु द्वारा जीवन को उपहार के रूप में सभी को दिया जाता है लेकिन बहुत कम ऐसे लोग होते हैं जो सर्वगुण संपन्न होकर न केवल समाज बल्कि अपने क्षेत्र तथा जिस भी क्षेत्र में होते हैं अपने कार्यों की अमिट छाप छोड़ते हैं. उच्च विद्या विभूषित और लाखों छात्रों का जीवन संवारने का ध्येय लेकर चलने वाले प्राचार्य सुधीर महाजन ऐसे ही व्यक्तित्व हैं जिन्होंने अभी तक लाखों छात्रों का जीवन न केवल शिक्षा बल्कि आदर्श संस्कारों से संवारा है. एक आदर्श व्यक्ति के रूप में उनमें रहने वाले गुणों को शब्दों में बांध पाना संभव नहीं है. प्राचार्य के रूप में अभी तक तीन दर्जन से अधिक राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पुरस्कार प्राप्त करने वाले सुधीर महाजन ऐसे व्यक्ति हैं जो लाखों छात्रों के जीवन में प्रेरणादाई विचारों से उनके जीवन को संवारने का कार्य करते हैं.

सर्वगुण संपन्न प्राचार्य सुधीर महाजन

मनुष्य के रूप में जन्म लेने के बाद कई परिवर्तन होते हैं, प्रकृति के नियम के अनुसार जन्म हर किसी के लिए एक ही घटना है, लेकिन उसका व्यक्तित्व इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपना पूरा जीवन कैसे व्यतीत करता है. इसमें कुछ ही लोग होते हैं जो जन्म को सार्थक कर पाते हैं और परमार्थ के कारण सदैव अमर करने में सफल रहते हैं. व्यक्तित्व की नींव बचपन में ही पड़ जाती है. इसमें माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. उम्र के साथ हमारे कर्म, हमें अपनों, समाज में सम्मान दिलाते हैं. बहुगुणी व्यक्तित्व का सम्मान सभी करते हैं.

शरीर को बनाए रखने के लिए बचपन बहुत महत्वपूर्ण है. माता-पिता से विरासत में मिला एक स्वस्थ, स्वस्थ और सुंदर शरीर. एक फूल के पौधे की सही समय पर देखभाल करें, उसमें खाद डालें और उसकी काट-छाँट करें. उसके खिलते फूलों को देखकर बहुत खुशी होती है एक आदर्श व्यक्तित्व एक दिन में नहीं बनता. ऊंचा शरीर, छह फीट से अधिक ऊंचाई, चौड़ी छाती. यह बहुत अच्छा लगता है, हर कोई भीड़ में अलग दिखने वाला एकमात्र व्यक्ति बनना चाहता है.इसमें हमारे स्वभाव, हमारे कर्म की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. प्राचार्य सुधीर महाजन में यह सभी गुण हैं.

डिग्री तक की शिक्षा अवश्य होनी चाहिए, उसके बाद यदि आपके पास कोई शौक है तो आपको संतुष्टि मिलती है, लेकिन जब वह कला निखरती है तो ऐसा लगता है जैसे स्वर्ग में केवल चार उंगलियां ही रह गई हैं, यह कला व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती है शरीर.

एक लंबा, बुद्धिमान व्यक्ति, कला में पारंगत और कोई अहंकार नहीं, युवा, वृद्ध, महिला, मुस्कुराता हुआ चेहरा, मृदुभाषी, बुद्धिमान व्यक्ति, फिर भी व्यक्तित्व में चार चांद लगाता है.साहसी स्वभाव दुर्लभ है. लेकिन यह व्यक्तित्व को चमकाता है. महाभारत में कर्ण का चरित्र कई मायनों में अलग है क्योंकि वह एक साहसी व्यक्ति था और दुर्योधन ने उसे अंतिम क्षण तक निभाया.

सबकी बात सुनी जानी चाहिए, तब तक धैर्य रखना चाहिए, अंतिम दो शब्द आपके होने चाहिए और उसके बाद संतुष्टि के साथ बैठक समाप्त होनी चाहिए धरती. हम इस धरती पर कितने भी अत्याचार करें लेकिन वह धरती सब कुछ सहन करती है. छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना अच्छा नहीं है. हमारी समझदारी और स्थितियों को संभालने की कला यह बचपन से ही हमें मिलती है. इससे व्यक्तिगत रूप से होना चाहिए.

तत्त्वमसि .जो व्यक्ति यह विश्वास करता है कि यह आप ही हैं, आप ही परब्रह्म हैं, स्थिर तारे की तरह चमकता है, आकाश में ध्रुव तारे की तरह चमकता

(शेष पृष्ठ ६ पर)

आपका जन्म ४ जनवरी १९७७ में मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के शिक्षकों के गांव के नाम से सुप्रसिद्ध बंभाड़ा ग्राम में हुआ. चूंकि मां द्रोपदाबाई एक शिक्षिका एवं पिता लक्ष्मण महाजन मुख्याध्यापक थे, इसलिए शिक्षा क्षेत्र के प्रति अभिरुचि, शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन तथा नेतृत्व कौशल के पाठ घर से ही मिले. मेधावी छात्र के रूप में साल दर साल सफलता के परचम लहराते हुए महाविद्यालयीन शिक्षा में स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम के व्यवसाय प्रबंधन, शिक्षाशास्त्र, समाजसेवा, अर्थशास्त्र, भौतिक शास्त्र तथा पत्रकारिता जैसे ६ विषयों में मेरिट स्कॉलर रहते हुए निरंतर स्वर्ण पदक अर्जित किये. आपने व्यवसाय प्रबंधन की स्नातकोत्तर डिग्री ग्वालियर के उस कॉलेज से अर्जित की जहां से भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी तथा सुप्रसिद्ध कवि शिवमंगल सिंह सुमन छात्र रहे हैं.

एक ही ध्यास, जिले का सर्वांगीण विकास

सांसद डॉ.अनिल बोंडे का ३६५ दिनी रक्तदान उपक्रम करेगा मानवता को मजबूत

भाजपा जिला अध्यक्ष के रूप में विधानसभा चुनाव में महायुति को शानदार कामयाबी दिलाने वाले डॉ.अनिल बोंडे द्वारा नए साल से शुरू की गई रक्तदान महायज्ञ अभियान लाखों लोगों को जहां प्रोत्साहित करेगा वही इस अभियान को राष्ट्रीय एकता मजबूत करने का बेहतरीन माध्यम मानना गलत नहीं होगा. नए साल की सभी को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने इस अभियान में सक्रिय सहभाग लेने और मानवता की सेवा की मिसाल को बरकरार रखने का आग्रह विदर्भ स्वाभिमान के माध्यम से किया है.

रक्तदान के क्षेत्र में शहर का नाम सुख्यात है और इस साल नई पहल भाजपा सांसद डॉ. अनिल बोंडे द्वारा की गई है. इसके तहत नए साल में ३६५ दिनों तक निरंतर रक्तदान अभियान चला कर रक्तदान के माध्यम से जीवनदान देने का संकल्प लिया है. इसके जरिए एक साल तक हर दिन कम से कम २५ बोतल रक्तदान किया जाएगा. इस रक्त भंडार को सामान्य अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में जमा कराया जाएगा. इस संकल्प से पूरे वर्ष रक्त की कमी नहीं होगी. साथ ही गरीब मरीजों को कभी रक्त के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा.

अमरावती जिले में बड़े पैमाने पर रक्तदान होता है. लेकिन चूंकि रक्तदान प्रतिदिन नहीं किया जाता, इसलिए प्रतिदिन कम से कम ४० से ४५ बैग की आवश्यकता होती है. इसलिए अस्पताल को काफी देर से खून मिलता है. इन सभी चीजों को पूरा करने के लिए यदि रक्तदान के माध्यम से प्रतिदिन २५ से ३० बैग रक्त दान किया जाए तो इस अस्पताल में रक्तदान की योजना बनाई जा सकती है. इस मामले को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने पूरे वर्ष कार्यकर्ताओं और जनता के माध्यम से प्रतिदिन ३६५ दिन रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया. १ जनवरी से डॉ. अनिल बोंडे की पुत्री मनाली बोंडे के जन्मदिन से ३६५ दिवसीय अखंड रक्तदान महायज्ञ प्रारंभ किया गया है. इस रक्तदान का आयोजन बोंडे हॉस्पिटल के पास एक जगह पर किया गया. डॉ. अनिल बोंडे ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस दिन से यह अभियान शुरू कर शहरों और जिलों में रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए आगे आएं.

समिति का गठन

यह पूरी पहल नए साल में रक्तदान अभियान के जरिए शुरू हो रही है. डॉ. वसुधा बोंडे की अध्यक्षता में रक्त संग्रह के लिए सांसद रक्तदान समिति गठित की गई है. इस समिति में नितिन गुढे, मंगेश खोंडे,डॉ. महेंद्र राऊत,नितिन गुर्जर, मुरली माकोड़े, राहुल जाधव सहित अन्यों का समावेश है.

रक्त के अभाव में किसी की मौत न हो, हर मरीज को समय पर रक्त की आपूर्ति हो, इसके लिए नये साल से रक्तदान अभियान को मजबूती से लागू करने का संकल्प लिया गया है. सांसद रक्तदान समिति के माध्यम से पूरे साल शहर और जिले में जगह-जगह शिविर लगाए जाएंगे. अमरावती में किसी सांसद द्वारा इस तरह की कल्पनाशील और जनता से जुड़ी पहल पहलीबार की गई है. इसके लिए डॉ. अनिल बोंडे पर अभिनंदन की बौछार हो रही है. यह पहल हजारों मरिजों के जीवन में निश्चित तौर नये साल में मददगार होगी.

इस साल के अंतिम दिन पर शिवमंगल सिंह 'सुमन' की चन्द अनमोल पंक्तियाँ...

जिस-जिस से पथ पर स्नेह मिला,
उस-उस राही को धन्यवाद

जीवन अस्थिर अनजाने ही,
हो जाता पथ पर मेल कहीं,

सीमित डग, लम्बी मंज़िल,
तय कर लेना कुछ खेल नहीं

जिस-जिस से पथ पर स्नेह मिला,
उस-उस राही को धन्यवाद

साँसों पर अवलम्बित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई,

दो स्नेह-शब्द मिल गये,
मिली नव स्फूर्ति,थकावट दूर हुई

पथ के पहचाने छूट गये,
पर साथ चल रही याद ...

जिस-जिस से पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद....

नया साल आपके और आपके समस्त परिजनों के लिये मंगलमय हो!!

धर्म का आचरण संवारता है जीवन

समाजसेवी चंद्र कुमार जाजोदिया ने कहा

नए साल में बच्चों को आदर्श संस्कार देते हुए उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने की जिम्मेदारी परिवार के साथ ही समाज के भी होती है. संस्कार से धर्म और धर्म से आदर्श पीढ़ी का निर्माण होता है. युवाओं में बढ़ती व्यसनाधीनता चिंता का विषय है. इस दिशा में श्रीमद् भागवत कथाओं के माध्यम से राज्य की युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन देने का कार्य समाजसेवी चंद्र कुमार उर्फ लप्पी भैया जाजोदिया कर रहे हैं.

लप्पीभैया के१०८ कथा संकल्प में ५६ वी कथा पूरी राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था के प्रमुख व समाज सेवक चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया) ने अपने जन्मदिन पर १०८ कथा का संकल्प लिया जो पुरे राज्य में चल रहा है जिसमें ५६ कथा पूरी हो चुकी है. यह कथा का उद्देश्य सनातन संस्कृति को प्रकाशित करना, आने वाली युवा पीढ़ी को नशा मुक्त रखना , स्कूल में जाकर भगवत गीता का महत्व समझाना उनको हनुमान चालीसा,कृष्ण महामंत्र, वह अनेक ऐसी बातें जो हिंदू संस्कृति से जुड़ी है. कथा में छोटे बच्चों को राधा कृष्ण की झाकी बना कर , रंगोली स्पर्धा रख कर, बच्चों का मनोबल बढ़ाते है. इस कथा के कथा वाचक अंतरराष्ट्रीय कृष्णभवनामृत संघ के मधुपति दास जी महाराज थे. इस कथा में विशेष रूप से शंकर रामचंद्र फाड़के, संत तुकाराम, राजगुरु, महादेव संभाजी सनय , विकास केजरीवाल, अमित जाजोदिया,विठ्ठल भोपान सादुंके, वसंत सनय, विजय मोहन फाड़के, शामराव विठोबा फाड़के, बापुराव राजाराम शिंदे, सागर तावड़े, अनिल तावड़े, मधुकर भीमराव भगत, गजानन नारायण फाड़के, सागर भापकर, बापुराव शेलार, कुंडलीक सनय, राजेंद्र सनय, दशरथ मारुति सनय, चंद्रकांत तुकाराम राजगुरु, अनिकेत जोशी,शिवाजी भगत व समस्त भक्त मंडली मौजूद थी. लप्पी भैय्या इस संकल्प की विदर्भ तथा राज्यस्तर पर सराहना हो रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

January

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

February

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

March

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

April

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

May

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

June

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

July

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

August

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

September

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

October

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

November

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

December

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

Federal Holidays 2025

Jan 1	New Year's Day	May 26	Memorial Day	Sep 1	Labor Day	Nov 27	Thanksgiving Day
Jan 20	Martin Luther King Day	Jun 19	Juneteenth	Oct 13	Columbus Day	Dec 25	Christmas Day
Feb 17	Presidents' Day	Jul 4	Independence Day	Nov 11	Veterans Day		

आनंद परिवार, बडनेरा अमरावती

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

बचपन से ही संवेदनशील और समझदार छात्र रहे हैं सुधीर महाजन

प्रा.आनंद प्रकाश चौकसे ने बताई अपने छात्र की खूबी

बचपन से ही प्राचार्य सुधीर महाजन अत्यधिक मेधावी और समझदार छात्र थे. काम के प्रति समर्पण और जो तय किया है उसे पूरा करने तक चैन की सांस नहीं लेने की उनकी खूबी ने ही आज उन्हें कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाया है. इस आशय का मत उनके गुरु और जाने माने प्रेरणादायी वक्ता आनंद प्रकाश चौकसे ने किया.

प्राचार्य सुधीर महाजन के बारे में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा संपर्क कर पूछे जाने पर चौकसे सर ने बताया कि बचपन से ही वे जहां कुशाग्र बुद्धि के थे, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र के लिए कुछ करने का भाव उनमें सदैव रहा. इसके लिए उन्होंने शिक्षा का क्षेत्र चुना और आज इस क्षेत्र के लिए पूरी तरह से समर्पित होकर काम कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि वे जब कोई काम तय कर लेते हैं तो उसके लिए दिन-रात एक करने में कभी पीछे नहीं हटते हैं. उनकी संस्था द्वारा संचालित विद्यालय में भी प्राचार्य के रूप में सुधीर महाजन ने कई साल तक सेवाएं दी और छात्रों का जीवन संवारने के लिए कई उपक्रम चलाया. उच्च विद्या विभूषित रहने के साथ ही उनकी सादगी और विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती हैं. उनकी इन्हीं खूबियों के कारण सुधीर महाजन उनके लिए सबसे प्रिय छात्र रहने की जानकारी दी. जन्मदिन पर अपने प्रिय छात्र को स्वस्थ रहने तथा सभी मनोकामनाएं पूरी करने का आशीर्वाद भी दिया.

नया साल २०२५ सभी के जीवन में खुशियों वाला साबित हो. सभी स्वस्थ रहें, मस्त रहें और साथ ही युवाओं को उनका लक्ष्य हासिल हो, इसी कामना के साथ नए साल पर विदर्भ स्वाभिमान द्वारा कई मान्यवरों की राय यहां पेश कर रहे हैं.

सभी का जीवन खुशियों से ओतप्रोत हो -आयुक्त सचिन कलंत्रे

वर्ष २०२५ सभी लोगों के जीवन में नया उजाला ले और सभी का जीवन खुशियों से परिपूर्ण रहे सभी स्वस्थ रहें और मस्त रहें, इन शब्दों में महानगरपालिका आयुक्त सचिन कलंत्रे ने अपनी शुभकामनाएं दी. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि विशेष रूप से युवा पीढ़ी को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसे हासिल करने के लिए जी जान से प्रयास करना चाहिए. नया साल सभी के जीवन में अपार खुशी ले और सभी की मनोकामनाएं पूरी हो हों, ऐसी कामना भी उन्होंने की.

सभी अच्छाई का संकल्प लें- चंद्रकुमार जाजोदिया

बीते वर्ष के अच्छे पलों को याद करते हुए नए साल को और बेहतरीन बनाने का संकल्प लेते हुए हमें समाज तथा राष्ट्र के लिए अधिकाधिक योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए. जीवन प्रभु का उपहार है, यह जब लोगों के काम में आना शुरू होगा तो निश्चित तौर पर पूरा देश तरक्की की राह पर आगे बढेगा. परमात्मा का स्मरण करने के साथ ही नए साल में कुछ बडा लक्ष्य हासिल करने का संकल्प करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी जान लगाते हुए काम में लग जाएं, इससे निश्चित तौर पर हमारी प्रगति कभी नहीं रूकेगी.स्वस्थ जीवन ही सबसे बडी दौलत होती है, इसको ध्यान में रखते हुए योग करें, घूमें और सदैव स्वयं भी खुश रहें और अन्यों को भी खुश रखने का कार्य करें.

हमारी निर्णायक वाली भूमिका हो- सुदर्शन गांग

अभिनंदन बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के मुताबिक नये साल की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं. इस साल में हम सदैव स्वयं,परिवार,समाज तथा राष्ट्र की भलाई का संकल्प करें, साथ ही हम हर मामले में सही और गलत को समझकर उस पर चिंतन करते हुए निर्णायक वाली भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए. आज के दौर में जो बातें लेने लायक हैं, उसे लेना चाहिए लेकिन गलत बातों पर सटीक स्पष्ट रवैया भी होना चाहिए. नए साल में हम नई तरक्की के संकल्प के साथ लक्ष्य तय करने के साथ उसे हासिल करने के लिए पूरी तरह से जुट जाना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर कामयाबी हमें मिलेगी. मानवता की सेवा, जीवदया का भाव अगर हममे रहता है तो निश्चित तौर पर हम कभी पीछे नहीं आते हैं. खुशियां बांटने का सदैव भाव रखें, यहां बांटने वाले को सदैव बढ़ कर मिलती है. नए साल की सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

पेज ३ से आगे - सर्वगुण संपन्न प्राचार्य सुधीर महाजन

है, ऐसा आत्मविश्वासी व्यक्तित्व समाज में ऊपर उठता है. आत्मविश्वास सकारात्मकता और उत्साह को बनाए रखता है. किसी भी कार्य को पूरा करना महत्वपूर्ण है. यह इन तीन चीजों यानी आत्मविश्वास, सकारात्मकता और उत्साह को जोड़ती है. यहां थोड़ा धार्मिक हो जाएं, अतीत को भूल जाएं, वर्तमान में जिएं और भविष्य की चिंता करना बंद कर दें. यह तत्व (गुण) व्यक्तित्व में होना चाहिए. एक प्रसन्न, सात्विक व्यक्तित्व का दिन कार्यकुशलता से भरपूर होना चाहिए.दूसरों के प्रति सम्मान रखना चाहिए इससे समाज में एक अलग छवि बनती है अहंकार इससे पहले आता है लेकिन सम्मान बढ़ता है बड़ों का छोटा सा आशीर्वाद हमेशा काम आता है सम्मान से बड़ों के प्यार और आशीर्वाद की भावना बढ़ती है. साथ ही दूसरों की प्रशंसा करने से मन का वैभव भी बढ़ता है.चाहे आपका जन्म कहीं भी हुआ हो, चाहे आपने कितनी भी शिक्षा प्राप्त की हो, चाहे आपके पास कितना भी पैसा हो, लेकिन चरित्र ही व्यक्ति के लिए सबसे बड़ा सात्विक सहारा है. विचार अच्छे होने चाहिए, सदाचार, मानवता, मदद करने की आदत ये सभी चीजें चरित्र में एक साथ आती हैं और व्यक्तित्व को पोषित करती हैं. इस अंतिम बिंदु के साथ इस लेख को समाप्त करते हैं. सादा जीवन और उच्च विचार का सिद्धांत किसी भी व्यक्तित्व के लिए खुला है. मनुष्य अपने शरीर को ढकने के लिए जो वस्त्र पहनता है उसका उद्देश्य केवल उसके शरीर को ढंकना नहीं है, बल्कि उसे यह पता होना चाहिए कि वह किस प्रकार का है किस मौके पर कितने कपड़े पहनने चाहिए. उनका ४ जनवरी को जन्मदिन है इस उपलक्ष में देश के आधुनिक आदर्श गुरु सुधीर महाजन सर को हार्दिक शुभकामनाएं.

ओम हातगांवकर,
छाया कॉलोनी अमरावती

मुसीबत से लड़नेवाले ही जीतते हैं...

विदर्भ स्वाभिमान को साक्षात्कार में राष्ट्रीय बालवीरता पुरस्कार विजेता करीना थापा ने बताया

मुसीबत से भागने की बजाय उसका सामना करना चाहिए, यह कहना है १७ साल की बहादुर करीना थापा का. उसका कहना है कि मुसीबत से लड़नेवाले ही जीवन में जीतते है और कुछ खास करते हैं. लोगों के लिए किया जानेवाला कोई भी कार्य कभी भी व्यर्थ नहीं होता हैं. उसने मानवता की सेवा और जरुरतमंदो की सदैव मदद का भाव रखने का आग्रह किया. अमरावती वासियों को सबसे बेहतरीन बताते हुए आरंभ से लेकर अभी तक साथ देनेवाले सभी के प्रति कृतज्ञता भी जतायी. अमरावती, महाराष्ट्र की करीना ने मार्च २०२४ में अपनी सूझ-बूझ और साहस से ७० परिवारों की जान बचाई. १ जनवरी को तपोवन में उसे स्कुटी प्रदान कर डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल की ओर से सम्मानित किया गया

आज जब सगे नाते-रिश्ते भी स्वार्थी हो गए हैं, मुसीबत में अपने ही पहले साथ छोड़ने वाली मानसिकता रहती है, ऐसे में कुछ ऐसे भी लोग रहते हैं जो निस्वार्थ भाव से हमेशा साथ देते हैं. ऐसे ही लोगों में कठोरा नाका स्थित जय अंबा अपार्टमेंट के ७० परिवारों की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाली करीना थापा के इस त्याग की दखल जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्र सरकार ने ली और इस साहसी बच्ची को राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के हाथों दिल्ली में सम्मानित किया गया. करीना के माध्यम से अमरावती की शान को चार-चांद लग गया. वैसे उसकी हिम्मत के बाद अमरावती शहर के कई मान्यवरों ने उसके घर को भेंट देकर उसका सत्कार किया था. लेकिन गौरव की बात यह है कि इस बच्ची के मामले में समाजसेवी मान्यवरों ने न केवल सराहना की, बल्कि बच्ची की हरसंभव मदद करने के बाद भी किसी तरह का गाजा-बाजा नहीं किया. अमरावती में नेक कामों में सहयोग देने वालों की कमी नहीं है.

गुरूवार को राष्ट्रपति भवन में एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से करीना थापा को सम्मानित किया गया. इसके साथ ही अमरावती का नाम भी पूरे देश में सम्मानित हुआ. इस बच्ची की जितनी सराहना की जाए कम है.

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से वीर बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में विभाग की मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और सचिव अनिल मलिक शामिल हुए. इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा देश के १७ बच्चों को विभिन्न श्रेणियों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया. करीना अपनी समय की पाबंदी और साहस से सिलेंडर को फटने से रोकती है और अपार्टमेंट को एक भयानक दुर्घटना से बचाती है. बहादुरी, खेल, समाज सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला और संस्कृति और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता की छाप छोड़ने वाले भारतीय लड़के और लड़कियों को विभिन्न मानदंडों के आधार पर इस पुरस्कार के लिए चुना जाता है.सिखों के १०वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को २६ दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाता है. हादसा १५ मई २०२४ को शाम ६ बजे अपार्टमेंट में हुआ. पड़ोस करीना थापा पड़ोस के बंद पड़े फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसी. हालाँकि जब आग और धुंआ आ रहा था, तब वे तीनों पानी की बाल्टियाँ मारते रहे और सिलेंडर को पूरी तरह से बाहर खींच लिया, जिससे सिलेंडर के पास लगी आग पर काबू पा लिया गया. ऐसा सिलेंडर कभी भी फट सकता था. करीना की समय की पाबंदी के कारण एक बड़ी आपदा टल गई और अपार्टमेंट बच गया. इन सभी आयोजनों में साहस और समय की पाबंदी का परिचय देने वाली करीना के इस अनूठे काम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर कार्यालय के माध्यम से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पुरस्कार के लिए प्रस्ताव भेजा गया. उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चुना गया. यह अमरावती के लिए गर्व की बात है. इस बच्ची का सत्कार करने के साथ ही उसकी तत्काल मदद करने और उसे बेहतरीन पढ़ाई के लिए मोपेड गाड़ी देने की दिशा में समाजसेवी सुदर्शन गांग, डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल द्वारा की गई पहल भी सराहनीय कही जाएगी. इस बच्ची को तपोवन में १ जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में सम्मानित करने के साथ ही यह गाड़ी भी उसे प्रदान की जाने वाली है. साहसी के साथ ही यह बच्ची पढ़ने में भी बुद्धिमान होने का पता चलते ही उसकी समस्या सुनते ही सुदर्शन गांग तथा मित्रों ने तत्काल उसे दोपहिया गाड़ी देने का मन बना लिया था. आज करीना की हिम्मत ने जहां उसे यह कामयाबी प्रदान की, वहीं अमरावती शहर का गौरव बढ़ा है. साथ ही इस बच्ची को जिस तरह से सम्मानित किया गया, उसे मदद करने के लिए अमरावतीवासियों का जिस तरह से हाथ उठा, वह इस बात का परिचायक है कि अंबानगरी सदैव अच्छों के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ी रहती है. फिर से एक बार साहसी बेटी करीना का हार्दिक अभिनंदन और उसे पुरस्कार दिलाने के लिए जिन्होंने भी प्रयास किया, उन सभी का भी दिल से अभिनंदन.

जन्मदिन २ जनवरी को विशेष

सादगी और स्वाभिमान की मिसाल डॉ.अजय बोंडे

खुशियां बांटने से ही है बढ़ती है इसी को ध्यान में रखते हुए बचपन से ही मेधावी और खिलाड़ी प्रवृति के रहने वाले डॉ. अजय बोंडे जहां स्वभाव के राजा व्यक्ति हैं वहीं दूसरी ओर बेहतरीन प्राध्यापक के रूप में अभी तक उन्होंने लाखों बच्चों का जीवन संवारने का प्रयास किया है. संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय खो-खो के बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में जहां उन्होंने खेल का प्रदर्शन किया है वही विद्यापीठ की टीम का नेतृत्व करने का मौका भी उन्हें मिला है. २ जनवरी को उनके जन्मदिन के उपलक्ष में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ढेरों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

आदर्श मित्र के रूप में डॉ. बोंडे जहां हजारों मित्र बने हैं वही आज जब मित्रता की परिभाषा स्वार्थ तक सीमित रह गया है, इसके वह अपवाद है. पिछले २५ वर्षों से उनके साथ आत्मीय दोस्ती जहां उनके व्यक्तित्व को समझने का मौका देती है वही व्यक्ति किस तरह विनम्रता का पालन करते हुए व्यस्त रहने के बावजूद भी मित्रों के हर सुख और हर दुख में समुचित सहयोग करने का प्रयास करते हैं. वे कहते हैं कि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ मन को जन्म देता है और जब हमारा मन प्रसन्न होता है तो ऐसा दुनिया में कोई काम नहीं है जो हमसे नहीं हो सकता है. संबंधों को निभाना उनकी जहां को भी है वहीं दूसरी ओर वह मित्रों के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं. शिक्षा, समाज सेवा के बाद अब वह राजनीति में भी सक्रिय हो रहे हैं. उनका कहना है कि राजनितियों को गाली देने का काम करना बहुत आसान रहता है लेकिन अगर हमें राजनेताओं से शिकायत है तो अच्छे लोगों को राजनीति में आकर यह बताने का प्रयास करना चाहिए कि राजनीति में भी अच्छे लोग अपनी मौजूदगी का एहसास कर सकते हैं और जनता की उम्मीद पर खरा उतरने में भी सफल हो सकते हैं. राष्ट्रपति कांग्रेस पार्टी के अजीत पवार गुट के नेता तथा प्रदेश महासचिव संजय खोडके एवं अमरावती से लगातार दूसरी बार अपने विकास कार्यों के बलबूते विधायक चुनी गई सौ.सुलभाताई खोडके के साथ विकास कार्यों में सदैव जुटे रहने वाले डॉ. अजय बोंडे का कहना है कि सर्वधर्म समभाव तथा सभी के प्रयासों से ही भारत ने प्रगति की है. राष्ट्रीय एकता की भारत की सबसे बड़ी ताकत है. जीवन में सदैव खुशियां बांटने वाले लोगों को जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं पड़ती है ऐसा उनका मानना है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क, अमरावती
मोबाइल ९४२३४२६१९९